J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:15.03.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

J.C. BOSE UNIVERSITY TO HOST 10TH ISFT IN JANUARY 2024

FARIDABAD (Sanjay Kumar): J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad in association with Society for Fusion of Science and Technology (SFST) would host the 10th International Symposium on Fusion of Science and Technology (ISFT-2024) and International Workshop on 'Sustainable Technologies for a Better Planet: Challenges and our preparedness for 2050' in Faridabad from January 8 to 13, 2024. The International Symposium would be organized in partnership with the International Society on Fusion of Science and Technology, Kteng Corporation, South Korea, and the Rajamangala University of Technology Suvarnabhumi, Thailand. This is the second time when the University will host this prestigious International Conference.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:15.03.2023

AAJ SAMAJ

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अधिकारिक पोस्टर का किया विमोचन

जेसी बोस विश्वविद्यालय करेगा 10वें आईएसएफटी सम्मेलन की मेजबानी

संदीप पराशर

फरीदाबाद। भारत में फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 8 से 13 जनवरी 2024 तक आयोजन किया जायेगा।

एक बेहतर ग्रह के लिए सतत प्रौद्योगिकी: चुनौतियां और 2050 के लिए हमारी तैयारी विषय पर होने वाले इस सम्मेलन के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की जायेगी। इस सम्मेलन में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑन फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केटेंग कॉर्पोरेशन, दक्षिण कोरिया तथा राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सुवर्णभूमि, थाईलैंड भी भागीदारी करेंगी। यह दूसरा अवसर है जब विश्वविद्यालय इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विश्वविद्यालय द्वारा आज सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईस एंड टैक्नॉलोजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये जबकि सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) की ओर से चेयरमैन डॉ. आरसी सिंह ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

10वें आईएसएफटी सम्मेलन की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर एवं आयोजन टीम के अन्य सदस्य। आज समाज

इस अवसर पर सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. नवीन कुमार, प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. मनीष वशिष्ठ, प्रो. पूनम सिंघल तथा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साईस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक बार पुनः मेजबानी मिलना सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा।

यह सम्मेलन शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा देगा तथा हाल में विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों को भी प्रदर्शित करेगा। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने बताया कि सम्मेलन में देश व विदेशों से 500 से ज्यादा शिक्षाविद्, तकनीकीविद् और वैज्ञानिक हिस्सा लेने की संभावना है, जिसमें से 50 से अधिक प्रतिनिधि अमेरिका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, जापान सहित अन्य देशों से होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के लिए 10 मुख्य वक्ताओं ने पुष्टि की है। आयोजन टीम सतत प्रौद्योगिकी और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 10 व्यापक विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा नये अनुसंधान है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईएसएफटी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि फ्यूजन आफ साईस एंड टैक्नॉलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी और अब तक नौ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में आयोजित हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रही है। प्रतिवर्ष सम्मेलन में लगभग 500 शोध पत्र एवं लेख प्राप्त होते है, जिस पर चर्चा की जाती है।

NEWS CLIPPING:15.03.2023

PIONEER

जेसी बोस करेगा आईएसएफटी सम्मेलन की मेजबानी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अधिकारिक पोस्टर का किया गया विमोचन

सतत प्रौद्योगिकी तथा चुनौतियां पर केन्द्रित होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से विवि परिसर में आठ से 13 जनवरी 2024 तक आयोजन किया जायेगा।

आईएसएफटी सम्मेलन को लेकर समझौता करते कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर तथा एसएफएसटी के चेयरमैन डॉ. आरसी सिंह।

एक बेहतर ग्रह के लिए सतत प्रौद्योगिकी: चुनौतियां और 2050 के लिए हमारी तैयारी विषय पर होने वाले इस सम्मेलन के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की जायेगी। इस सम्मेलन में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑन फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केटेंग कॉर्पोरेशन, दक्षिण कोरिया तथा राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सुवर्ण भूमि, थाईलैंड भी भागीदारी करेंगी। यह दूसरा अवसर है जब विवि इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विवि द्वारा आज सोसायटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। विवि की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये जबकि सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) की ओर से चेयरमैन डॉ. आरसी सिंह ने हस्ताक्षर किये। इस दौरान सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. नवीन कुमार, प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. मनीष वशिष्ठ, प्रो. पूनम सिंघल तथा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि विवि के लिए फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक बार पुनः मेजबानी मिलना सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। यह सम्मेलन शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा देगा तथा हाल में विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों को भी प्रदर्शित करेगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:15.03.2023

HINDUSTAN

वाईएमसीए में होगा 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

फरीदाबाद, कार्यालय संवाददाता। भारत में आयोजित होने वाले फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए करेगा।

सम्मेलन का आयोजन सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी (एसएफएसटी) की ओर से देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 8 से 13 जनवरी तक होगा। ये जानकारी वाईएमसीए में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में दी गई। विश्वविद्यालय की ओर से इसे लेकर एसएफएसटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में होने वाले सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन करते कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर व अन्य। • हिन्दुस्तान

विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग और एसएफएसटी की ओर से चेयरमैन डॉ. आरसी सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने बताया कि एक बेहतर ग्रह के लिए सतत प्रौद्योगिकी- चुनौतियां और 2050 के लिए हमारी तैयारी विषय पर होने वाले इस सम्मेलन के दौरान एक कार्यशाला भी होगी। सम्मेलन में एसएफएसटी के साथ केटेंग कॉर्पोरेशन, दक्षिण कोरिया और राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सुवर्णभूमि थाईलैंड भी भागीदारी करेंगी। संस्थान में सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. नवीन कुमार, प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. मनीष वशिष्ठ मौजूद रहे।

Recognised by UGC under Section 2 (f) & 12 (B) of UGC Act, 1956 | Accredited 'A' Grade by NAAC

NEWS CLIPPING:15.03.2023

TEHELKA JAJBA

जेसी. बोस विश्वविद्यालय करेगा 10वें आईएसएफटी-2024 सम्मेलन की मेजबानी

तहलका जज्बा/ दीपा राणा

फरीदाबाद। भारत में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2024 की मेजबानी जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी, एसएफएसटी के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 8 से 13 जनवरी 2024 तक आयोजन किया जायेगा। एक बेहतर ग्रह के लिए सतत प्रौद्योगिकीं चुनौतियां और 2050 के लिए हमारी तैयारीष् विषय पर होने वाले इस सम्मेलन के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की जायेगी। इस सम्मेलन में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑन फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजीए केटेंग कॉर्पोरेशनए दक्षिण कोरिया तथा राजमंगला यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सुवर्णभूमिए थाईलैंड भी भागीदारी करेंगी। यह दूसरा अवसर है जब विश्वविद्यालय इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस बात की जानकारी संस्थान की ओर से एक प्रैस वार्ता के दौरान दी गई।

विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार को सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साईंस एंड टेक्नॉलोजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो। सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये। जबकि एसएफएसटी की ओर से चेयरमैन डा. आरसी सिंह

ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य प्रो नवीन कुमार, प्रो विक्रम सिंह, प्रो मनीष वशिष्ठ, प्रो पूनम सिंघल तथा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नालोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक बार पुनः मेजबानी मिलना सम्मान की बात है। कुलसचिव डा एसके गर्ग ने बताया कि सम्मेलन में देश व विदेशों से 500 से ज्यादा शिक्षाविद्ए तकनीकी विद् और वैज्ञानिक हिस्सा लेने की संभावना है। जिसमें से 50 से अधिक प्रतिनिधि अमेरिका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, जापान सहित अन्य देशों से होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के लिए 10 मुख्य वक्ताओं ने पुष्टि की है। आयोजन टीम सतत प्रौद्योगिकी और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 10 व्यापक विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा नये अनुसंधान है। इसलिएए यह एक ऐसा विषय हैए जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING:15.03.2023

REPCO NEWS

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय शुरू करेगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध जर्नल

फरीदाबाद, 14 मार्च । विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में 'जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है। यह घोषणा कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने आज यहां विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वनिता और प्रतिष्ठित लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया।इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी का संचालन, संपादन एवं प्रबंधकीय कार्य विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं और लड़कियां दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं,